18 / 01 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनूभूति

स्मृति स्वरुप अर्थात समर्थी स्वरुप स्थिति का अनुभव करना

➢➢ विशेष रुप में स्मृति स्वरुप का अनुभव

➳ _ ➳ मैं आत्मा बापदादा के स्नेह मे समाती जा रही हूं

→ स्मृति स्वरूप सो समर्थ स्वरूप स्थिति में स्थित रहने का दिवस

- बाप समान भव का वरदान प्राप्त करने का दिवस

→ विशेष अमृतवेले वरदानों की प्राप्ति की अनुभूति का दिवस

→ विशेष अनुभवों के गोल्डन चान्स की लॉटरी खोलने का दिवस

→ मैं आत्मा खुद को भाग्यशाली समझ भाग्यविधाता बाप की गोदी में झूल रही हूँ

- स्नेह युक्त, योगयुक्त, सर्व शक्तियों के प्रति युक्त

→ मैं आत्मा सर्व प्रकार की प्रकृति व माया के आकर्षण से परे रहने वाली

→ मायाजीत व प्रकृतिजीत आत्मा हूं

➳ _ ➳ बापदादा मुझ आत्मा को श्रृंगारीमूर्त आत्मा बना रहे हैं

➳ _ ➳ मै आत्मा बाबा के ताजधारी रत्न बन पवित्रता की किरणें फैला रही हूँ

→ मै आत्मा बाप के गले का श्रृंगार हूँ

→ मैं आत्मा बाबा की भुजाओं का श्रृंगार हूं

→ हर बोल और कर्म में बाबा को प्रत्यक्ष करने वाली साक्षात्कार मूर्त आत्मा हूँ

- बापदादा मुझ आत्मा को विशेष पूजनीय आत्मा बना रहे हैं

➳ _ ➳ भुजाओं में समाने वाली सहयोगी आत्मा हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा तन , मन व धन से बाप के कर्तव्य में सहयोगी आत्मा हूं

➳ _ ➳ नष्टोमोहा स्मृति स्वरूप बनने वाली आत्मा हूं

→ मैं विश्व कल्याणी आत्मा हूं

→ कल्याणकारी बाप के हर बोल मे सर्व का कल्याण छिपा है यह बात

- अटल हैं, अचल हैं, अखंड हैं
- सदा हर परिस्थिति में भी श्रेष्ठ स्थिति में अडोल हैं

- सर्व गुणों और सर्व शक्तियों में स्तंभ स्वरूप हैं
- हर बोल और कर्म से बाप को प्रत्यक्ष करने वाली योग्य आत्मा हूँ

➳ _ ➳ श्रीमत पर चलने वाली आज्ञाकारी आत्मा हूं

→ श्रीमत पर चल खुद को इनश्योर करनेवाली आत्मा हूं

→ अनेक आत्माओं के निमित्त बन उन्हे भी इंश्योरेंस कराने

वाली आत्मा हूं

→ मै शक्तिशाली समर्थ आत्मा हूं

→ मुझ आत्मा को बाबा ने सर्व शक्तियों की किरणे देकर शक्तिशाली बना दिया

➳ _ ➳ पवित्रता मुझ ब्राह्मण जन्म का स्वधर्म हैं

→ पवित्रता का संकल्प ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य और लक्षण हैं

→ मुझ आत्मा के समर्थ संकल्पों से मेरी पवित्रता बढ़ती जा रही हैं

→ मेरा स्वरूप, रॉयल रूप , लाइट का रूप, आकरी रूप फरिश्ता रूप बनती जा रही हूँ

→ मैं संपूर्ण पवित्र लाइट हाउस माइट हाउस फरिश्ता हूं

- मै फरिश्ता बापदादा के साथ कंबाइंड हूँ

➳ _ ➳ बापदादा साथ हैं तो कोई कुछ नहीं कर सकता

➳ _ ➳ मै निश्चयबुद्धि निश्चिंत आत्मा हूं

→ कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता

→ यह कोई साधारण साथ नहीं

→ मुझ आत्मा के साथ सर्व शक्तिवान का साथ हैं इसलिये निश्चयबुद्धि विजयन्ती आत्मा हूँ

- मै संकल्प से निर्संकल्प रहने वाली आत्मा
- मै स्वच्छ, शुद्ध पवित्र आत्मा सर्व आत्माओं को पावन बनाने वाली बाप की मददगार आत्मा हूं

→ मैं प्रकृति के पांचों तत्वों को पवित्रता और शांति की किरने देकर तत्वों को पावन बनाने वाली आत्मा हूं

→ विश्व की सर्व आत्माओं को पवित्रता, शांति, शक्ति का स्तंभ बन सतरंगी किरणें फैलाने वाली बाप समान आत्मा हूं

→ मै स्मृति स्वरूप सो समर्थी स्वरूप आत्मा हूं